



गाइये गणपति जगवन्दन

गाइये गणपति जगवन्दन ।

शंकर सुमन भवानि के नन्दन ॥

सिद्ध सदन गज वदन विनायक ।

कृपा सिन्धु सुन्दर सव लायक ॥

मोदक प्रिय मुद मंगल दाता ।

विद्या वारिद बुद्धि विधाता ॥

माँगत तुलसी दास कर जोरे ।

वसहि राम सिय मानस मोरे ॥

ऐसी ही ज्ञानवर्धक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट पर विजिट करें

www.kathahindi.com